खेल ने ऐसा भुलाया न कभी याद आया
आपने याद दिलाया तो हमें याद आया

1--हम कभी साथ तेरे वृन्दावन में आए थे
माया में चल के कदम,धाम के दिखाये थे
एक पल तुझसे बिछुड़ना ,ना कभी याद आया

2--तूने जब मधुबन में,बांसुरी जब बजाई थी
छोड़ कर झूठे ये तन,आत्माएँ आई थी
रास मधुबन में रचाना,अब हमें याद आया

3--आये दो बार मगर,दिल से न ये चाह घटी
तीसरी बार माया ने,किया बड़ा है दुखी
माया के फंद छुड़ाओ,अब हमें याद आया

4--सतगुरू बन के,मेरे धाम के दूल्हा आये हैं
कब्रो से मुर्दे उठे,जाम वो पिलाए है
किया प्रकाश वाणी का,अब हमें याद आया

Nijanand App